

7, 4, 4. 3, 2, 4, 1. व्याख्यास्यामि ते व्याख्याणस्य तु मे निदिध्यासस्व 14, 3, 4, 4. KĪTJ. ÇR. 1, 2, 1. ÇĀKH. ÇR. 1, 16, 11. NĪR. 2, 23 u. s. w. TAITT. UP. 1, 2, 1. 3, 1. व्याख्यातुं कुशलाः केचिद्वन्थान् MBh. 1, 53. रावणस्यापि ते जन्म व्याख्यास्यामि auseinanderzusetzen, ausführlich besprechen MBh. 3, 15881. R. 1, 31, 1. तस्य मतिर्ज्ञाता व्याख्यातुं पितरं स्वकम् 9, 27. व्याख्यात erklärt, erläutert, besprochen KĪTJ. ÇR. 24, 1, 27. PĪR. GRUJ. 3, 8. 15. u. s. w. — 2) verkünden: इदं शतनक्षत्रं हि भ्रोकानां पुण्यकर्मणाम् । सत्यवत्यात्मज्ञेनेह व्याख्यातम् MBh. 1, 2296. व्याख्ययुक्तैश्च कृतं प्रकृतम् BHATT. 14, 113. — 3) Jmd aufklären: स ह व्याख्यात (oder für व्याख्यात?) उवाच ÇAT. Br. 4, 1, 5, 10. — 4) benennen: विद्वद्भ्यै: — व्याख्याता सा विष्णुमाला ÇRUT. 13. — desid. zu erklären beabsichtigen: व्याचिख्यासितग्रन्थ Wind. Sāncara 90. — Vgl. व्याख्यातृ u. s. w.

— अनुव्या weiter auseinandersetzen, — erklären: एतं (आत्मानं) त्वेव ते भूयो अनुव्याख्यास्यामि KĀND. Up. 8, 9, 3. fgg.

— उपव्या s. उपव्याख्यान, welches jedoch eher in उप + व्याख्यान zu zerlegen ist.

— समा 1) aufzählen: तिस्रः कोटयः समाख्याताः AR. 5, 11. M. 7, 156. R. 6, 3, 1. — 2) mittheilen, erzählen: संनेयतो वै स विष्णुद्वर्कमा तेभ्यः समाख्याय दिवि प्रवासम् MBh. 3, 11915. 11205. 13227. पुरुषार्थं ज्ञानमिदं गुह्यं परमार्थिणा समाख्यातम् SĀKHJAK. 69. — समाख्यात mit श्रेण्यादि compon. gaṇa कृतादि zu P. 2, 1, 49.

— उप sehen: तस्मादपि सुतमिश्रायामुपैव किञ्चित्ख्यायते deshalb sieht man selbst in tiefer Dunkelheit wenigstens etwas ÇAT. Br. 4, 1, 2, 13.

— परा in der Ferne sehen: स यथा नद्यै पारं परापश्येदेवं स्वस्यायुयः पारं पराचक्षौ ÇAT. Br. 11, 1, 6, 15.

— परि 1) umhersehen: दिवो धर्तारं उर्वया परि ख्यन् RV. 10, 10, 2. — 2) wahrnehmen: अथ यो ऽयं भगवो ऽप्सु परिख्यायते KĀND. Up. 8, 7, 4. — 3) ansehen, betrachten, auffassen: यथा तस्य भार्गवस्य महात्मनः । च्यवनत्वं परिख्यातं तन्माचक्ष्व पृक्षतः ॥ MBh. 1, 874. समाख्यात geltend für, genannt: राजा दशरथो नाम धर्मसेतुरिवाचलः । सत्यसंधः परिख्यातः R. 3, 62, 2. अञ्जनेति परिख्याता पत्नी केशरिणाः कपेः 5, 2, 14. — 4) übersehen, vernachlässigen: मा नो मूरुतः परि ख्यन् RV. 1, 162, 1. मा मृधानः परि ख्यतम् 5, 63, 6. 7, 36, 7. 93, 8.

— संपरि vollständig mittheilen MBh. 1, 2561.

— प्र 1) sehen: प्रेम्न्यः ख्यत् RV. 8, 68, 2. प्रख्यै dat. inf. 7, 81, 4. प्रख्याय ÇAT. Br. 8, 4, 4, 2. — 2) verkünden, berichten über: विश्रुतं विभोः — प्रख्यादि Bhāg. P. 1, 5, 40. — 3) pass. anerkannt werden, bekannt sein: मन्दं प्रख्यायमानेन वृषेणाप्रतिमेन MBh. 3, 2661 = R. 5, 18, 4. न हि पञ्चाला वरुणा इति योगः संबन्धः प्रख्यायते Kiç. zu P. 1, 2, 54. प्रख्यात anerkannt: राज्ञः प्रख्यातभाण्डानि Waaren, welche als des Königs anerkannt sind (mit denen allein der König Handel treibt) M. 8, 399. allgemein bekannt, berühmt: यस्तु देवमनुष्येषु प्रख्यातः सकृर्गुणैः MBh. 3, 1806. fg. Bhāg. P. 8, 7, 3. एष वार्तिकखण्डो वै प्रख्यातः सत्यविक्रमः MBh. 3, 10548. प्रख्यातबलवीर्य R. 3, 23, 39. PANĒAT. 162, 5. 223, 1. प्रख्यातसद्वर्तृ als braver Gatte bekannt KATHĪS. 23, 25. ÇRĀṆĠRAT. 3. Gīt. 8, 10. RĀGA-TAR. 3, 212. 353. — caus. allgemein bekannt machen: काव्यं प्रख्याप्य KATHĪS. 1, 61. 18, 124.

— प्रति erblicken, sehen: तामस्य रीतिं पश्योरिव प्रत्यनीकमख्यम्

RV. 5, 48, 4. प्रत्यग्रिहूपसामग्रमख्यत् 4, 13, 1. 14, 1. AV. 7, 82, 5. TBa. 1, 4, 3, 2. ÇAT. Br. 11, 6, 3, 3. 8, 4, 3. 12, 6, 1, 31.

— वि 1) sich umsehen, aufblicken; erblicken, sehen: व्यन्धो ग्रह्य-दक्षिमाददानः RV. 4, 19, 9. आदित्यश्चा बुबुधाना व्यख्यन् 1, 18. 1, 161, 13. चतुर्नो हि धेहि चतुषि चतुर्विध्यै तनूयैः 10, 138, 4. विख्ये P. 3, 4, 11. विख्याय चतुषा VS. 11, 20. RV. 3, 31, 12. वि ख्यद्यं मनसा वस्य इच्छन्निन्दी-ग्रो ज्ञास उत वा मज्ञातान् 1, 109, 1. VĀLAKH. 6, 1. वि वया दन्तिण्या लोकं ख्येषम् ÇAT. Br. 4, 3, 4, 17. — 2) aufleuchten, leuchten; erleuchten, sichtbar machen: वि क्षीमिद्धो ग्रह्यत् RV. 10, 43, 4. रात्री व्यख्यदायती 127, 1. 1, 46, 10. उञ्चा व्यख्यद्युवतिः (उपाः) 123, 2. वि नाकमख्यत्सविता 5, 81, 2. ज्ञातो यदग्रे भुवना व्यख्यैः 7, 13, 3. 9, 101, 7. 1, 33, 5. 7. 8. व्यु नो रा-पो ग्रह्यत् 113, 4. 10, 189, 2. AV. 13, 2, 9. — 3) विख्यात allgemein bekannt, berühmt: विख्यातदोष JĀGĪ. 3, 301. विख्याततेजम् R. 3, 17, 25. त्रिषु लोकेषु 33, 16. BHART. 2, 12. वृषेणातीव विख्याता VET. 16, 7. bekannt als, genannt, heissend: संहृद इति विख्यातः MBh. 1, 2642. 2668. BENF. Chr. 13, 16. INDRA. 3, 50. N. 12, 35. 60. R. 1, 57, 10. 3, 31, 46. न सा भार्येति विख्याता HIT. 1, 191. — caus. 1) sichtbar machen: सद्यो वा एष ज्ञानं इदं सर्वं विख्यापयति ÇAT. Br. 6, 7, 3, 2. — 2) bekannt machen, verkünden: तस्मात्समागमे तेषामेना विख्याप्य ग्रुध्यति M. 11, 83. विख्याप्य वीर्यं लोकेषु सर्वेषु MBh. 3, 10405.

— अभिवि 1) hinblicken auf, erblicken: स्वरूपि वि ख्येषम् VS. 1, 11. स्वरुभिव्यख्यं ज्योतिरभि° Gobh. 3, 2, 27. — 2) अभिविख्यात allgemein bekannt, berühmt R. 4, 1, 22. bekannt als, genannt, heissend: हुम इत्यभि-विख्यातः MBh. 1, 2644. 2668. 13, 325. Bhāg. P. 6, 17, 38.

— प्रवि, partic. प्रविख्यात allgemein bekannt, berühmt MBh. 1, 2543. bekannt als, genannt: कश्य द्रोणाः प्रविख्यातः MĀRK. P. 1, 26.

— सम् 1) med. in Verbindung mit Etwas erscheinen, zusammengehören mit: समख्ये देव्या धिया VS. 4, 23. (सोमः) समादित्येभिर्ह्यत RV. 9, 61, 7. — 2) zusammenzählen, berechnen: दश पितामहान्सोमयात्रसंख्याय ÇAT. Br. 5, 4, 5, 4. KĪTJ. ÇR. 15, 8, 15. संख्यास्यामि फलान्यस्य MBh. 3, 2822. 2826. 2619. M. 8, 36. वनवासं हि संख्याय वासोऽस्याभरणानि च । — दैर् R. 2, 40, 15. संख्यात gezählt AK. 3, 2, 14. संख्याता अस्य निमित्तो ज-नानाम् AV. 4, 16, 5. 12, 3, 28. gemessen: ययोः संख्याता वारिमा पार्थिवा-नि 4, 25, 2. त्र्यहो ऽश्ममेधः संख्यातः auf drei Tage berechnet R. 1, 13, 43. संख्यातरात्रं, संख्याताङ्ग P. 5, 4, 87. 88. n. Anzahl: रजोभिः समसंख्याताः पार्थिवैरिह ज्ञतवः Bhāg. P. 6, 14, 3. PAT. zu P. 8, 4, 41. — caus. betrach-ten lassen durch (instr.): श्रयेनां सोमक्रयण्या संख्यापयति ÇAT. Br. 3, 3, 4, 11. 12. 4, 4, 2, 17. TS. 6, 3, 8, 6. KĪTJ. ÇR. 10, 6, 20. — Vgl. ग्रसंख्यात, संख्या-

— अनुसम् caus. hinblicken lassen auf: यज्ञमानमेवैतत्स्वर्ग्यं पन्थानम-नुसंख्यापयति ÇAT. Br. 3, 9, 3, 30. 4, 2, 5, 5.

— अभिसम् auf-ählen, herzhählen: सुग्रीवेणाभिसंख्यातान्देशान् R. 4, 47, 4. — Vgl. अभिसंख्येय.

— उपसम् s. उपसंख्यान.

— परिसम् 1) aufzählen, herzhählen: न चेष्टयः पृथक्कतः शक्याः परिसं-ख्यातुम् ÇĀKH. ÇR. 1, 17, 8. M. 1, 71. MBh. 1, 2143. 2, 345. 14, 1314. — 2) überzählen, zusammenzählen, berechnen, in Rechnung nehmen: सैन्य-म् R. 6, 1, 6. 5, 9, 4. कालम् 4, 30, 8. कालाः काष्ठाश्च MBh. 1, 3507. स्तून् Suçr. 4, 67, 20.